वक़्त से पहले और किस्मत से ज्यादा-2

"आपने मेरी कहानी का पहला भाग वक़्त से पहले और किस्मत से ज्यादा पढ़ा होगा। वो रात कैसे गुजर गई पता ही नहीं चला। कॉलेज के बाद पहली बार पूरी रात जागते हुए गुजरी थी, परीक्षा के दिनों की याद ताज़ा हो गई जब पूरी पूरी रात जागते हुए गुजर जाती थी और सुबह अगर […] ..."

Story By: singh (singh74)
Posted: Sunday, February 6th, 2011
Categories: हिंदी सेक्स कहानियाँ
Online version: वक़्त से पहले और किस्मत से ज्यादा-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वक़्त से पहले और किस्मत से ज्यादा-2

आपने मेरी कहानी का पहला भाग

वक़्त से पहले और किस्मत से ज्यादा

पढ़ा होगा।

वो रात कैसे गुजर गई पता ही नहीं चला। कॉलेज के बाद पहली बार पूरी रात जागते हुए गुजरी थी, परीक्षा के दिनों की याद ताज़ा हो गई जब पूरी पूरी रात जागते हुए गुजर जाती थीं और सुबह अगर पेपर ठीक से हो जाए तो एक मीठा मीठा सा एहसास पिछली रात की सारी थकान दूर कर देता था, यहाँ भी लगभग वैसा ही था, फर्क सिर्फ इतना था कि मेरी दोस्ती परीक्षक से हो गई थी इसलिए किसी बात का डर नहीं लग रहा था।

उस एक रात से जीवन में बदलाव सा आ गया था, मेरा यूरोप में लम्बे समय तक रहने का कोई इरादा नहीं था, हमेशा सोचा था कि चालीस की उम्र तक काम करूँगा, उसके बाद आराम और वापस अपने देश।

उस एक रात के साथ के बाद ऐसा लगा कि जीवन की दिशा बदल गई है। एक बार को लगा कि यह सब सिर्फ दोस्ती तक ही सीमित रहने वाला है और विदेशी लोग वैसे भी इस तरह के अनुभवों को ज्यादा महत्व नहीं देते।

तभी मुझे क्रिस्टीना ने हिलाया और उठने को कहा, उसने बाहर छोटे से किचन गार्डन की तरफ इशारा किया और मैं उसके पीछे पीछे एक जर-खरीद गुलाम की तरह चल पड़ा। सब कुछ विस्मित करने वाला था, दो कुर्सियाँ, एक सुन्दर सी तिपाई ! अखबार और चाय की केतली से निकलती हल्की-हल्की भांप।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसने चाय बना कर दी और मैं चुपचाप उसको देखते हुए पीने लगा, शायद चाय के साथ-साथ उसको पीने की एक नाकाम कोशिश भी हो रही थी। वह अखबार पढ़ रही थी और बीच बीच में मुझे देख रही थी, शायद बिना कुछ कहे ही हम दोनों बीती रात के बारे में बातें कर रहे थे।

कुछ समय गुजरने के पश्चात उसने मुझसे पूछा- नाश्ता करना है या नहीं ?

तब पता लगा कि चाय तो कब की ख़त्म हो चुकी थी और मैं काफी समय से हाथ में खाली मग लिए बैठा था।

इस समय मुझमें और मुझे से आधी उम्र के एक लड़के में कोई फर्क नहीं था। सब कुछ पहली बार हो रहा था और लगता था कि कोई किसी तरह से समय को रोक कर यहीं बिठा ले और कुछ भी न बदले।

उसने कहा- पहले नहा लो, फिर मैं नाश्ता तैयार करती हूँ।

यह कह कर उसने एक तौलिया मुझे पकड़ा दिया। मुझमें ऐसा करने की हिम्मत तो नहीं थी पर पता नहीं कैसे मैंने क्रिस्टीना का हाथ पकड़ लिया और उसको अपनी तरफ खींच लिया।

उसने कुछ नहीं कहा और ख़ामोशी से मेरा साथ देने लगी, हमारे होंठ मिले और बात फिर से चल निकली। हम दोनों कब बाथरूम में घुसे और कब कपड़े उतरे, पता ही नहीं चला। हम लोग बाथटब में उतर गये और मैं फिर से उसके शरीर के हर हिस्से को टटोलने लगा, कुछ ऊँचाइयाँ और कुछ गहराइयाँ, हाथ जैसे रुकने नाम ही नहीं ले रहे थे और जिस जगह से हाथ गुजरते थे, होंठ पीछे पीछे अपनी मोहर लगाने पहुँच जाते थे।

इन सब हरकतों की वजह से क्रिस्टीना शायद दो या तीन बार अपने चरम पर पहुँच चुकी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

थी।

अचानक उसने पूरी ताकत से मुझे अपने ऊपर से हटाया और नीचे पटक दिया और बिना देर किये अपने होंठ मेरे अंग पर टिका दिए और पूरी तन्मयता से मुझे ख़ुशी देने में जुट गई। कुछ समय बाद उसने मुझे टॉयलेट सीट पर बैठने को कहा और मेरे ऊपर आ गई। एक मीठा सा गरम एहसास हुआ और जैसे चाकू मक्खन मे उतर जाता है वैसे ही मैं भी उसकी गहराई में उतरता चला गया।

इस वक़्त यह बताना मुश्किल था कि चाकू कौन है और मक्खन कौन !

हद तो तब हो गई जब उसने ऊपर नीचे होना शुरू किया। मैं इस अचानक हमले के लिए बिल्कुल तैयार नहीं था और लगभग मिनट दो मिनट में ही शहीद हो गया।

कुछ देर हम उसी अवस्था में बैठे रहे और एक दूसरे तो सहलाते रहे। क्रिस्टीना और मैंने फिर नहाना ख़त्म किया। तब तक सुबह के लगभग गयारह बज चुके थे यानि कि हम पूरे दो घंटे से बाथरूम में ही थे।

नाश्ता किया और सोचा कि सप्ताहांत है, कुछ देर बाहर घूम कर आते हैं, नींद या थकावट बिल्कुल नहीं थी।

क्रिस्टीना के घर से लगभग चालीस किलोमीटर की दूरी पर कुछ हेरिटेज खदानें थी, वहीं जाने का मन बनाया और निकल पड़े।

वहाँ का नज़ारा बहुत सुन्दर था, रखरखाव अच्छा होने के कारण लगता नहीं था कि यहाँ पर खनन का काम बंद हुआ एक अरसा गुजर चुका है।

क्रिस्टीना उस दिन रोजाना से ज्यादा सुंदर लग रही थी, उसकी चाल देख कर लग रहा था

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कि वो खुश थी।

हम दोनों एक दूसरे का हाथ पकड़ कर चल रहे थे, कोई नहीं कह सकता था कि हम लोगों का साथ सिर्फ कल रात से ही था।

घूमते हुए शाम हो गई और फिर हमने एक साथ खाना खाया। खाना खाने के बाद मुझे लगा कि अब बहुत हुआ और उसको उसके घर छोड़ कर लौट जाना चाहिए।

हम रेस्तराँ से बाहर निकले और उसके घर के सामने मैंने कार रोक दी, हिम्मत नहीं हुई कि उसको इस एक दिन के लिए धन्यवाद दूँ और विदा लूँ।

कुछ देर हम ऐसे ही बैठे रहे, उसने मेरी तरफ देखा तो मैं अपने ख्यालों में खोया हुआ सर नीचे किये हुए बैठा था। उसने हल्के से मेरी पेशानी पर एक चुम्बन दिया और कहा- सोमवार को ऑफिस में मिलते हैं।

एक बार को मुझे बुरा लगा क्योंकि शायद मुझे उम्मीद थी कि आज की रात भी क्रिस्टीना के साथ गुजारनी चाहिए, फिर लगा नहीं यह उसकी मर्ज़ी पर है और मैं उसकी इच्छा का आदर करते हुए भारी मन से अपने छोटे से अपार्टमेन्ट में वापस आ गया।

भारत में अपने माता-पिता को छोड़ने के बाद पहली बार किसी का साथ इतना अच्छा लगा था। सिर्फ एक कमरे का स्टूडियो अपार्टमेन्ट होने के बाद भी आज मुझे सब कुछ खुला खुला लग रहा था, सब काटने को दौड़ रहा था।

बमुश्किल जूते ही उतार पाया और बिस्तर पर गिर गया, नींद कब आई पता नहीं चला।

पिछली लगभग पूरी रात जागा था और आज पूरे दिन भी नहीं सोया था, इसी वजह से नींद आ गई, वरना लगता नहीं था कि क्रिस्टीना के खयालों से बाहर निकल पाता।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

क्योंकि अब मैं भी सो रहा हूँ, आप लोग भी थोड़ा आराम करें।

sanj.singh74@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

शीला का शील-14

फिर यह लगभग रोज़ का ही सिलसिला हो गया। देर रात वह आ धमकता था, अक्सर उसके साथ कोई न कोई होता था जो रानो के साथ लग जाता था। जबकि खुद को उसने शीला के लिये जैसे रिज़र्व कर […]
Full Story >>>

दीदी की शादी में मेरी सुहागरात

हैलो दोस्तो.. मेरा नाम इस रेहान है। मैं मथुरा से हूँ.. इस वक्त मेरी उम्र 19 साल की है। मेरी हाइट 5 फुट 11 इंच है। लंड औसत से अधिक लंबा और मोटा है और ये घटना जिस लड़की के […]
Full Story >>>

मस्त भाभी के साथ होटल में मौज़

हिन्दी सेक्स कहानी पढ़ने वाले मेरे दोस्तों को नमस्कार.. मैं प्रणव, मैं मुंबई में रह कर मॉडलिंग करता हूँ। मेरी अच्छी खासी बॉडी है.. स्मार्ट और डैशिंग हूँ.. मेरे 8 पैक एब्स भी हैं। मेरी कहानी अभी कुछ दिन पहले […]
Full Story >>>

उम्रदराज विधवा की चूत चुदाने की ख्वाहिश

मेरा नाम राज है.. मैं जबलपुर क़ा हूँ। मेरी उम्र 40 साल की है। मैं शादीशुदा हूँ। मैं एक प्राइवेट कंपनी में काम करता हूँ, हमारा ऑफिस एक अपार्टमेंट में है, जो जबलपुर के एक पॉश एरिया में है। जिस […]
Full Story >>>

दूध भरे मम्मों वाली आंटी ने चूत चुदवा ली

हैलो दोस्तो, मेरा नाम जयंत कपूर है.. और मैं चंडीगढ़ का रहने वाला हूँ। बात आज से एक साल पुरानी है। मैंने बी.कॉम. के दूसरे साल के एग्जाम दिए थे। इसके बाद कुछ दिन के लिए मेरी छुट्टियाँ हो गईं […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Antarvasna Porn Videos

Antarvasna Porn Videos is our latest addition of hardcore porn videos.

Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স স্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Pinay Video Scandals

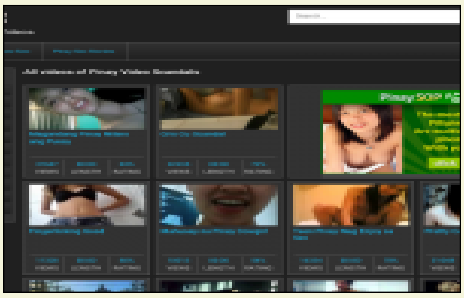

Manood ng mga video at scandals ng mga artista, dalaga at mga binata sa Pilipinas.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire